प्रेस–वार्ता 08.11.2019

दिव्यांग डेवलपमेन्ट सोसाइटी (कानपुर) के बच्चों को अंतर्राष्ट्रीय लर्निंग ऐंड स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम के तहत सिंगापुर आमन्त्रित किया गया है। इन (दिव्यांग) बच्चो का प्रोत्साहवर्धन व मनोबल बढ़ाने हेतु दिनांक 08.11.2019 सायं 03:30 बजे मर्चेंट्स चैम्बर ऑफ उत्तर प्रदेश, में प्रेस-वार्ता का आयोजन किया गया। उक्त प्रेस-वार्ता को श्री जे.के. लोहिया, डॉ.आई.एम. रोहतगी, व संस्था की सचिव मनप्रीत कौर कालरा, श्री विष्णु सहाय ने सम्बोधित किया जिन्होंने निम्नलिखित जानकारी दी:

हुनर का कोई धरम, रंग, रूप, स्थान, जाति-पाति या भेद-भाव नहीं होता है। दिव्यांग बच्चे न बोल सकते है न सुन सकते है लेकिन हुनर के जरिये वे अपनी बात हम सब तक अवश्य पंहुचा सकते है। बच्चों का यह प्रोग्राम दिव्यांग डेवलपमेन्ट सोसाइटी के बैनर तले एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत आयोजित किया जा रहा है।

उक्त वार्ता में यह बताया गया कि सिंगापुर (अंतर्राष्ट्रीय) प्रोग्राम के लिए माननीय मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश व राजयपाल, उत्तर प्रदेश से सहायता राशि प्राप्त हुई है जिससे सिंगापुर जाने वाले बच्चों को वीजा, पासपोर्ट, बैग्स, परिधान व कल्चरल प्रोग्राम से सम्बंधित अन्य समस्त साधन उपलब्ध करवाएं गए है।

एक्सचेंज प्रोग्राम के अंतर्गत कानपुर के कुछ चुनिंदा मूक-बधिर बच्चों को सिंगापुर के अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भेजा जा रहा है। यह बच्चे 9 नवंबर, 2019 को सर्वप्रथम राजयपाल से मिलेंगे तत्पश्चात ((9 नवंबर, 2019 को ही) लखनऊ हवाईअड्डे से सिंगापुर के लिए उड़ान भरेंगे। यह बच्चे 9 नवंबर से 15 नवंबर तक सिंगापुर में रहेंगे और इस दौरान ये अंतर्राष्ट्रीय मंच पर नृत्यकला का प्रदर्शन, नाटक का मंचन और भारत का राष्ट्रगान प्रस्तुत करेंगे साथ ही इन बच्चों को वहां की नई क्रिएटिविटी भी सीखने को मिलेगी। जैसे-जैसे सिंगापुर मंच तक जाने का समय पास आ रहा है वैसे-वैसे इन बच्चों का आत्मविश्वास भी उच्च से उच्चतम होता जा रहा है। इन बच्चों द्वारा प्रस्तुत किया जाने वाला नृत्य-कला के अभ्यास का निरंतर समय भी बढ़ता जा रहा है। इन बच्चों को सिंगापुर के वहां के संस्थान का सर्टिफिकेट भी मिलेगा जिससे इनका मनोबल बढ़ेगा।

इन सभी बच्चों के लिए सिंगापुर जाना एक नया अवसर है जो इनको सिंगापुर जैसे स्मार्टेस्ट देश का अनुशासन, जीवन-शैली व संस्कृति सिखाएगा जिससे यह बच्चे वहां की अच्छी चीजों को सीखकर अपने जीवन में आत्मसात कर सके और अपने व देश के भविष्य में भागीदारी कर सकें।

सधन्यवाद,